

हुआ वह मिश्रण जो पशुओं को खिलाया जाता है।

महेश पुं. (तत्.) 1. ईश्वर, शिव।

महेश-बंधु पुं. (तत्.) बैल।

महेशान पुं. (तत्.) शिव।

महेशानी स्त्री. (तत्.) 1. पार्वती 2. दुर्गा।

महेश्वर पुं. (तत्.) 1. ईश्वर 2. शिव 3. सफेद महार 4. सोना, स्वर्ण।

महेश्वरी स्त्री. (तत्.) दुर्गा।

महेषुधि वि. (तत्.) बहुत बड़ा धनुर्धारी।

महसिया पुं. (देश.) एक प्रकार का बढ़िया अगहनी धान।

महैत वि. (देश.) पूरी तरह से व्याप्त, ओतप्रोत।

महैला स्त्री. (तत्.) बड़ी इलाचयी।

महोक्ष पुं. (तद्.) 1. बड़ा बैल 2. कामशास्त्र में वृषभ जाति का पुरुष।

महोखा पुं. (तद्.) कौए के आकार का एक पक्षी।

महोगनी पुं. (अर.) एक प्रकार का बहुत बड़ा पेड़ जो सदा हरा रहता है। इसके फल खाये जाते हैं, और लकड़ी इमारत के काम आती है।

महोच्चार पुं. (तत्.) ऊँचा या घोर शब्द, घोष।

महोछा पुं. (देश.) 1. महोत्सव 2. एक उत्सव जिसमें खत्री संप्रदाय बाबा लालू जसराम की पूजा करते हैं, यह श्रावणमास के कृष्ण पक्ष में होता है।

महोत्सव पुं. (तत्.) बहुत बड़ा उत्सव या समारोह।

महोदधि पुं. (तत्.) समुद्र।

महोदय पुं. (तत्.) 1. अधिपति, स्वामी 2. महानुभाव, महाशय 3. अपने से बड़े व्यक्ति के लिए अथवा औपचारिक रूप से किसी अच्छे व्यक्ति के लिए प्रयुक्त किया जाने वाला एक आदरसूचक संबोधन 4. स्वर्ग 5. महाफूल 6. कान्यकुब्ज प्रदेश का एक नाम स्त्री. महोदया।

महोदर पुं. (तत्.) 1. शिव 2. धृतराष्ट्र का एक पुत्र 3. एक असुर का नाम 4. एक नाग का नाम वि. बहुत बड़े पेटवाला।

महोना पुं. (देश.) पशुओं के मुँह आदि पकने का एक रोग।

महोपाध्याय पुं. (तत्.) बहुत बड़ा अध्यापक या पंडित।

महोबा पुं. (देश.) बुंदेलखंड का एक प्राचीन नगर जो हमीरपुर जिले में है।

महोबी वि. (देश.) 1. महोबे का, महोबा-संबंधी 2. महोबे में होने वाला पुं. महोबे का निवासी।

महोर्मि स्त्री. (तत्.) बहुत ऊँची या बड़ी लहर।

महोला पुं. (अर.) 1. हीला-हवाला, बहाना 2. चकमा, धोखा।

महौघ पुं. (तत्.) समुद्र की बाढ़ या तूफान।

महौजस्क वि. (तत्.) बहुत अधिक तेजस्वी, बहुत तेजवान।

महौली स्त्री. (देश.) एक प्रकार का वृक्ष जिसकी लकड़ी इमारत के काम आती है।

महौषध पुं. (तत्.) 1. बहुत बड़ा और प्रायः पूरा गुण दिखाने वाला औषध 2. भुंजित खर 3. सोंठ 4. लहसुन 5. बाराही कंद, गेंठी 6. बछनाग 7. पीपल।

महयो पुं. (देश.) मट्ठा, छाछ।

मांगल-गीत पुं. (तद्.) वह शुभ गीत जो विवाह आदि मंगल अवसरों पर गाये जाते हैं।

मांगलिक वि. (तत्.) 1. मंगल करने वाला, शुभ 2. मंगल कार्यों से संबंध रखने वाला जैसे-मांगलिक कृत्य पुं. वह जो नाटक आदि विशिष्ट अवसरों पर मंगल पाठ करता हो।

मांगल्य वि. (तत्.) शुभ, मंगलकारक पुं. 1. वह जो नाटक आदि विशिष्ट अवसरों पर मंगल पाठ करता हो 2. 'मंगल' की अवस्था या भाव, मंगलता।

मांगल्य-काया स्त्री. (तत्.) 1. दूब 2. हलदी 3. ऋद्धि नामक ओषधि 4. गोरोचन 5. हरीतकी।

मांगल्य-कुसुमा स्त्री. (तत्.) शंखपुष्पी।